National Science Day at CSIR-CBRI, Roorkee

Uttaranchal Deep

Date: 01-03-2018 Page: 5

E-link:

http://dainikuttaranchaldeep.com/wp-content/uploads/bsk-pdf-manager/1Page5_4970.pdf

कार्यक्रम / राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया

ग्रीन एनर्जी पर दी अहम जानकारियां

संवाददाता

@ dainikuttaranchaldeep.com

रुड़की। केन्द्रीय भवन अनुसंधान में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। समारोह में पूना स्थित सीएसआईआर के यूनिट फॉर रीसर्च एंड डेवलपमेंट ऑफ इर्मोशन प्राडक्ट्स (यूर्डिप) के भूतपूर्व अध्यक्ष व तकनीकी सलाहकार प्रो. राज हिरवानी मुख्य अतिथि तथा आईआईटी रुड़की के मेटलर्जिकल एंड मेटीरियल इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अंजन सिल विशिष्ट अतिथि रहे। समारोह को सम्बोधित करते हुए प्रो. हिरवानी ने पेटेंट इन फार्मेशन फार रिसर्च एंड बिजनस डेवलपमेंट पेटेंट, पेटेंट

साइटिंग एनालिसिस, पेटेंट मैपिंग आदि के बारे में जानकारी दी। समारोह में पहुंचे विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर सिल एनर्जी स्टोरेज मेटीरियल फार ससटेनेबल फ्यूचर विषय पर व्याख्यान देते हुए ग्रीन एनर्जी, लिथियम आयन बैटरी और उन कालघुरुपण, विद्युत चाली वाहनों, पालीमर आधारित मेटीरियल, एनर्जी स्टोरेज डिवाइस, नेनो टेक्नोलॉजी कार्बन नैनो ट्यूब आदि के विषय में जानकारी उपलब्ध करायी। संस्थान के निदेशक डा. गोपालकृष्णन ने अध्यक्षीय सम्बोधन में संस्थान की उपलब्धियों की विस्तार से चर्चा की। डा. एस सरकार ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस दौरान संस्थान के विनोद कुमार, जीके चौरसिया, डा. अतुल अग्रवाल, डा. एलपी सिंह, सी कूजूर आदि थे।

कलियर। राजकीय प्राथमिक विद्यालय बेड़पुर में ऑक्सीजन साइंस क्लब के तत्वाधान में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। वक्ताओं ने कहा कि विज्ञान केवल विषय न होकर जीने का दृष्टिकोण है। यह प्रश्न पूछने की आजादी, प्रचलित मान्यताओं को चुनौती देने का साहस प्रदान करता है। जनपद के रुड़की विकास खंड के राजकीय प्राथमिक विद्यालय बेड़पुर को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के विज्ञान प्रसार ने ऑक्सीजन साइंस क्लब की संबद्धता विगत वर्ष प्रदान की। देशभर में इसके तकरीबन 12 हजार क्लब स्थापित हो चुके हैं। जिनसे विभिन्न संस्थाएं, क्लब स्कूल कॉलेज सहित अन्य शिक्षण संस्थाएं जुड़े हैं। ऑक्सीजन साइंस क्लब के संयोजक प्रभारी शिक्षक संजय शर्मा वत्स ने बताया कि प्राथमिक स्तर पर स्टूडेंट्स में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए ष्विपनेट से जुड़ना बेहद जरूरी है। प्रधानाध्यापिका हिना कौसर, सुमन आदि ने बच्चों को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के बारे में विस्तार से समझाया।

Amar Ujala

Date: 01-03-2018 Page: 4

E-link: http://epaper.amarujala.com/2018/03/01/rr/04/04.pdf

गुणवत्ता में पेटेंट की महत्वपूर्ण भूमिकाः हिरवानी

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर बोले वक्ता-पेटेंट से बढ़ती है संस्थान की क्षमता और प्रबंधन पर विश्वास

रुड़की स्थित सीबीआरआई में आयोजित विज्ञान दिवस के मौके पर विचार रखते वक्ता। अमर उजाला

सीबीआरआई रुड़की में मनाया गया राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

अमर उजाला ब्यूरो

रुड़की।

सीबीआरआई में बुधवार को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि पूना स्थित सीएसआईआर के यूनिट फार रिसर्च एंड डेवलपमेंट आफ इन्फारमेशन प्रोडक्ट्स (यूर्डिप) के भूतपूर्व अध्यक्ष व तकनीकी सलाहकार प्रो. राज हिरवानी ने कहा कि किसी भी संस्थान की क्षमता और प्रबंधन आदि के क्षेत्रों में पेटेंट की अहम भूमिका होती है। इससे अनुसंधान के नए क्षेत्रों का विस्तार होता है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने विज्ञान आधारित विभिन्न तकनीकी पर विस्तार से जानकारी दी।

मुख्य अतिथि प्रो. हिरवानी ने पेटेंट इनफार्मेशन फार रिसर्च एंड बिजनेस डेवलपमेंट विषय पर व्याख्यान देते हुए पेटेंट, पेटेंट साइटिंग ऐनालिसिस, पेटेंट मैपिंग आदि के बारे में जानकारी दी। उन्होंने पेटेंट्स के महत्व को समझाते हुए बताया कि इसके द्वारा अनुसंधान के नए क्षेत्रों का विस्तार होता है, किसी संस्थान की क्षमता, विलय और अधिग्रहण, निवेश जोखिम, मानव संसाधन प्रबंधन आदि क्षेत्रों में भी पेटेंट की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके अतिरिक्त उन्होंने यूर्डिप द्वारा देश की स्टार्ट-अप कंपनियों, सीएसआईआर के अपने तथा अन्य संस्थानों, देशी-विदेशी कारपोरेट जगत को दी जाने वाली सेवाओं के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि एवं आईआईटी रुड़की के मेटलर्जिकल एंड मेटीरियल इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अंजन सिल ने एनर्जी स्टोरेज मैटीरियल फार ससटेनेबल फ्यूचर विषय पर व्याख्यान देते हुए ग्रीन एनर्जी, लीथीयम आयन बैटरी और उनका लघुरूपण, विद्युत चलित वाहनों, पालीमर आधारित मैटीरियल, एनर्जी स्टोरेज डीवाइस, नैनो टेक्नोलॉजी कार्बन नैनो ट्यूब आदि के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने लीथियम के विकल्प, नयी लागत प्रभावी तकनीक, लीथियम का पुनः उपयोग जैसे उन्नत क्षेत्रों पर किये जा रहे नवीनतम अनुसंधानों पर भी चर्चा की।

संस्थान के निदेशक डा. गोपालकृष्णन ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में संस्थान की उपलब्धियों की विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. एस. सरकार ने किया। इस मौके पर डॉ. एसआर कराड़े, डॉ. बीएस रावत, विनोद कुमार, जीके चौरसिया, डॉ. अतुल अग्रवाल, डॉ. एलपी सिंह, सी कूजूर आदि मौजूद थे।

बच्चों ने लगाई प्रदर्शनी

लक्सर स्थित गर्ग डिग्री कालेज में विज्ञान दिवस के मौके पर लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन करते छात्र। अमर उजाला

अमर उजाला ब्यूरो

लक्सर।

विश्व विज्ञान दिवस के मौके पर लक्सर स्थित गर्ग पीजी कॉलेज में पोस्टर प्रतियोगिता आयोजन किया गया। इस मौके पर विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने पोस्टर प्रदर्शनी भी लगाई। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट पोस्टर बनाने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया।

बुधवार को हरिद्वार रोड पर स्थित गर्ग पीजी कॉलेज में विश्वविज्ञान दिवस के मौके पर इंडियन साइंस एसोसिएशन के तत्वावधान में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम की शुरुआत डेकोरेशन के हरिद्वार चैप्टर के चेयरमैन प्रोफेसर आरडी कौशिक ने मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आज विज्ञान ने हर क्षेत्र में अपना लोहा मनवा दिया है और अब विज्ञान द्वारा तैयार चीजें आम जन के दैनिक प्रयोग में शामिल हो गई है। उन्होंने कहा कि पलक झपकते ही घर बैठे कोई भी कार्य हो जाना, यह सब आज विज्ञान की ही देन है। प्रतियोगिता में कॉलेज प्रबंधक अंबरीष गर्ग,उपाध्यक्ष संजीव गर्ग, प्रोफेसर एलपी पुरोहित, प्राचार्य प्रोफेसर राजेंद्र अग्रवाल,डॉक्टर जसपाल सिंह, प्रोफेसर अंजलि गोयल, संजीव लांबा, नरेश त्यागी ने विज्ञान से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी। इसके बाद स्कूली बच्चों द्वारा तैयार किए गए पोस्टरों का मूल्यांकन भी किया गया।

मूल्यांकन टीम ने प्रज्ञा पारुल परमार, प्रियंका, पूजा मल्होत्रा, तैयबा,खुशी, आरती, स्वाति, आसमा, निशु, कोशिक, इकराम मलिक द्वारा मिलावटी सामानसे तैयार किए गए पोस्टरों को प्रथम पुरस्कार दिया। जबकि एप्लीकेशन मैट्रेसेस पर तैयार किए गए गोरिशा, अंशी, प्रिंसी, सौरव, विदिशा कोशिक के मॉडल को दूसरा व फोटोसिंथेसिस पर बनाए गए समीक्षा, अनुराधा,सोनिया, गुरप्रीत, भारती को तीसरा स्थान मिला। इस मौके पर स्कूली बच्चोंको मेडल देने नगद पुरस्कार भी दिया गया।

इस मौके पर नूतन, तनु सिंह, नुपुरगोयल, अमित पांडे, रविंद्र शर्मा, अनु शर्मा, पूजा शर्मा, अर्चना सिंह,डॉक्टर दीपिका चौहान, डॉक्टर गीता सडाना, सिद्धार्थ त्यागी, अवधेश शर्मा,रुचिका शर्मा, डॉक्टर श्वेता, कुशवाहा, डॉक्टर मनमीत कौर, डॉक्टर बबलूकुमार, डॉक्टर अजीत राव आदि अनेक शामिल थे।

Daink Jagran

Date: 01-03-2018 Page: 3

E-link: http://epaper.jagran.com/epaperimages/01032018/dehradun/28ruk-pg3-0.pdf

छात्रों को दी पेटेंट्स के महत्व की जानकारी

जागरण संवाददाता, रुड़की: सीबीआरआइ रुड़की में बुधवार को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सीएसआइआर के यूनिट फॉर रिसर्च एंड डेवलपमेंट आफ इर्मोमेशन प्रोडक्ट्स के पूर्व अध्यक्ष एवं तकनीकी सलाहकार प्रो. राज हिरवानी उपस्थित रहे।

प्रो. हिरवानी ने पेटेंट, पेटेंट साइटिंग ऐनालिसिस, पेटेंट मैपिंग आदि के बारे में छात्रों को जानकारी दी। उन्होंने पेटेंट्स के महत्व के बारे में बताया कि इसके जरिए अनुसंधान के नए क्षेत्रों का विस्तार होता है। किसी संस्थान की क्षमता, विलय एवं अधिग्रहण, निवेश जोखिम, मानव संसाधन प्रबंधन आदि क्षेत्रों में पेटेंट्स की महत्वपूर्ण भूमिका है। आइआइटी रुड़की के प्रो. अंजन सिल ने ग्रीन एनर्जी, लीथीयम आयन बैटरी और उनका लघुकरण, पालीमर आधारित मैटीरियल आदि विषयों की जानकारी दी। इस मौके पर संस्थान के निदेशक डॉ. एन गोपाल कृष्णन, डॉ. एस सरकार, डॉ. एसआर कराड़े, डॉ. बीएस रावत, विनोद कुमार, जीके चौरसिया, डॉ. अतुल अग्रवाल, डॉ. एलपी सिंह, सी कूजूर आदि उपस्थित रहे।

संसाधनों की कमी पर भी की जा सकती हैं उपलब्धि हासिल: आइआइटी रुड़की के ओपी जैन सभागार में बुधवार को विज्ञान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित आइआइएसईआर भोपाल में प्राध्यापक प्रो. संपत कुमार टंडन ने भारत की ओर से अंतरिक्ष विज्ञान में की गई उपलब्धियों के बारे में बताया।

उन्होंने नव वैज्ञानिकों को समझाया कि अगर मन में विश्वास हो तो संसाधनों की कमी होते हुए भी उपलब्धि प्राप्त की जा सकती है। इस दौरान उन्होंने कई वैज्ञानिकों की उपलब्धियों की चर्चा भी की। बताया कि विज्ञान देश के उत्थान के लिए आवश्यक है। इस मौके पर संस्थान के निदेशक प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी ने विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के परस्पर संबंध पर प्रकाश डाला। इस दौरान विज्ञान प्रश्नोत्तर एवं विज्ञान प्रदर्शनी के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।

प्रतियोगिता का आयोजन

रुड़की: एसएसडीपीसी गर्ल्स पीजी कॉलेज में फिजिक्स डिपार्टमेंट की ओर से मॉडल प्रदर्शनी एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस मौके पर छात्राओं ने सतत विकास में उपयोगी वैज्ञानिक तकनीकों पर निर्मित मॉडलों एवं पोस्टर्स को प्रदर्शित किया। इस मौके पर कॉलेज की प्राचार्या डॉ. अर्चना मिश्रा, डॉ. ज्योतिका, प्रीति वर्मा, पल्लवी सिंह, डॉ. पारुल चड्डा, डॉ. अलका आर्या, डॉ. किरन बाला, डॉ. मेघा जैन आदि उपस्थित रहे।

Rashtriya Sahara

Date: 01-03-2018 Page: 4

पेटेंटों की बहुआयामी भूमिका की दी जानकारी

रुड़की। सीएसआईआर-सीबीआरआई में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह में पूना स्थित सीएसआईआर के यूनिट पेटेंट रिसर्च एंड डेवलपमेंट आफ इन्फोरमेशन प्रोडक्ट्स के भूतपूर्व अध्यक्ष व तकनीकी सलाहकार प्रो. राज हिरवानी ने पेटेंट के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि इससे अनुसंधान के नए क्षेत्रों का विस्तार होता है। किसी संस्थान की क्षमता, विलय और अधिग्रहण, निवेश जोखिम, मानव संसाधन प्रबंधन आदि क्षेत्रों में भी पेटेंटों की महत्वपूर्ण भूमिका है। संस्थान के निदेशक डा. एन. गोपालकृष्णन और विशिष्ट अतिथि प्रो. अंजन सिज ने ग्रीन एनर्जी, लिथियम आयन बैटरी और उनका लघुरूपण, विद्युत् चालित वाहनों, पॉलीमर आधारित मैटीरियल, एनर्जी स्टोरेज डिवाइस, नेनो टेक्नोलॉजी कार्बन नेनो ट्यूब आदि की जानकारी दी। उन्होंने लिथियम के विकल्प, प्रभावी तकनीक, लिथियम का पुनः उपयोग के अनुसंधानों पर भी चर्चा की। डा. कृष्णन ने संस्थान की उपलब्धियों की चर्चा की। इस मौके पर डॉ. शांतनु सरकार, एसआर कराडे, डॉ. बीएस रावत, विनोद कुमार, अजय के. चौरसिया, डॉ. अतुल अग्रवाल, डॉ. एलपी सिंह, आभा, अचल आदि मौजूद थे।

Hindustan

Date: 01-03-2018 Page: 4

E-link:
http://epaper.livehindustan.com/epaperimages/01032018/01dd_rrk06_ddn_hdwrlocal4.pdf

सीबीआरआई में विज्ञान दिवस मनाया

रुड़की। सीएसआईआर-सीबीआरआई में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. राज हिरवानी और विशिष्ठ अतिथि प्रो. अंजन सिल रहे। अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डा. एन गोपाल कृष्णन ने की। प्रो. हिरवानी ने पेटेंट के महत्व बताया। प्रोफेसर सिल ने एनर्जी मैटीरियल फार ससटेनेबल फ्यूचर विषय पर व्याख्यान दिया। मौके पर संस्थान के निदेशक डा. गोपाल कृष्णन, डा. एस सरकार, डा. एसआर कराड़े, डा. बीएस रावत, विनोद कुमार, जीके चौरसिया, डा. अतुल अग्रवाल, डा. एलपी सिंह, जी कूजूर मौजूद रहे।